

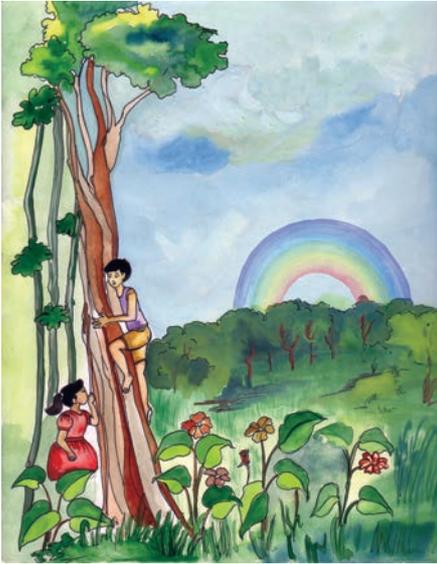


## कौन ?

चाँद प्यास मुस्काता  
प्रश्न निर्मल इन्द्रधनुष

अगर न होता चाँद, रात में  
हमको दिशा दिखाता कौन ?  
अगर न होता सूरज, दिन को  
सोने-सा चमकाता कौन ?

अगर न होतीं निर्मल नदियाँ  
जग की प्यास बुझाता कौन ?  
अगर न होते पर्वत, मीठे  
झरने भला बहाता कौन ?



अगर न होते पेड़, भला फिर  
हरियाली फैलाता कौन ?  
अगर न होते फूल बताओ,  
खिल-खिलकर मुस्काता कौन ?

अगर न होते बादल, नभ में  
इंद्रधनुष रच पाता कौन ?  
अगर न होते हम, तो बोलो,  
ये सब प्रश्न उठाता कौन ?

**शिक्षण संकेत** – लयबद्ध कविता पाठ करें और बच्चों को दुहराने को कहें। पहाड़, नदी, झरने, पेड़-पौधे, आदि पर चर्चा कर बच्चों को पर्यावरण की सरल छोटी-छोटी बातों से अवगत कराएँ। उनकी भाषा में कविता का अर्थ बताएँ एवं कठिन शब्दों के अर्थ से भी परिचित कराएँ।

### शब्दार्थ

नभ	=	आकाश	जग	=	दुनिया, संसार
पर्वत	=	पहाड़	प्रश्न	=	सवाल
हरियाली	=	चारों ओर हरे-भरे, पेड़-पौधों का होना।			
निर्मल	=	बिना मैल का, स्वच्छ, साफ			

### अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

नभ, पर्वत, निर्मल, हरियाली, मिट्टी

2. समझकर एक-एक वाक्य में उत्तर लिखो।

क. जिस रात चाँद नहीं निकलता, वह रात कैसी लगती है?

\_\_\_\_\_

ख. दिन में उजाला हमें किससे मिलता है ?

\_\_\_\_\_

ग. हरियाली किनके कारण दिखाई पड़ती है ?

\_\_\_\_\_

घ. इंद्रधनुष में कितने रंग होते हैं ?

\_\_\_\_\_

3. अगर तुम्हें इस कविता का नाम बदलने को कहे तो तुम क्या नाम दोगे और क्यों?

4. क्या तुमने इंद्रधनुष कभी देखा है ? देखा है तो तुम्हें कौन – कौन से रंग दिखाई देते हैं, बताओ।

## 5. चित्र बनाकर रंग भरो –

(पेड़, पर्वत, सूरज, नदी, फूल, इंद्रधनुष)

